

B.A. 3rd Semester (General) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*Answer the questions either from **Group-A** or **Group-B****Group-A**

विभाग: क

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः।

2×5=10

अधोलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) आयुर्वेदस्य अष्टाङ्गानि कानि?

आयुर्वेद-এর আটটি অঙ্গ কী কী?

(b) 'सुश्रुतसंहिता' इति आयुर्वेदग्रन्थः कदा केन विरचितः?

'সুশ্রুতসংহিতা' নামক আয়ুর্বেদ গ্রন্থটি কে কখন রচনা করেন?

(c) चरकसंहितायाः रचयिता कः? अस्य ग्रन्थस्य स्थानसंख्या का?

চরকসংহিতার রচয়িতা কে? এই গ্রন্থের কয়টি 'স্থান' আছে?

(d) अष्टाङ्गहृदयग्रन्थस्य हेमाद्रिविरचिता टीका का?

অষ্টাঙ্গহৃদয় গ্রন্থের হেমাদ্রিবিরচিত টীকার নাম কী?

(e) सुश्रुतसंहितायाः प्रख्यातः टीकाकारः कः? तस्य टीकायाः नाम किम्?

সুশ্রুতসংহিতার প্রখ্যাত টীকাকার কে? তাঁর টীকার নাম কী?

(f) चरकसंहितायाः टीकाद्वयस्य नाम लेख्यः।

চরকসংহিতার দুটি টীকার নাম লেখো।

(g) जीवकः कः आसीत्?

जीवक के छिलेन ?

(h) बाग्भट्टविरचितस्य कस्यचित् एकस्य आयुर्वेदग्रन्थस्य नाम लिख्यताम्।

बाग्भट्ट विरचित कोनो एकटि आयुर्वेद ग्रन्थेर नाम लेखो।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

5×2=10

अधोनिर्दिष्ट प्रश्नसमूहेर मध्ये ये कोनो दुइटिर उत्तर दाओ :

(a) नागार्जुनविरचितानाम् आयुर्वेदग्रन्थानां परिचयः प्रदेयः।

नागार्जुन विरचित आयुर्वेदग्रन्थसमूहेर परिचय दाओ।

(b) 'अष्टाङ्गसंग्रहः'-इत्यस्य संक्षिप्ता टीका विरचनीया।

'अष्टाङ्गसंग्रह' सम्बन्धे संक्षिप्त टीका रचना करो।

(c) आयुर्वेदशास्त्रे सिद्धनित्यनाथप्रणीतस्य रसरत्नाकर-ग्रन्थस्य उपयोगिता विचार्यताम्।

आयुर्वेदशास्त्रे सिद्धनित्यनाथ विरचित रसरत्नाकर ग्रन्थेर उपयोगिता विचार करो।

(d) आयुर्वेदशास्त्रे चक्रपाणिदत्तस्य अवदानं किमस्ति विचार्यताम्।

आयुर्वेदशास्त्रे चक्रपाणिदत्तेर अवदान आलोचना करो।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

10×2=20

अधोलिखित प्रश्नसमूहेर मध्ये ये कोनो दुइटिर उत्तर दाओ :

(a) सुश्रुतमनुसृत्य शल्यचिकित्साप्रक्रियायाः सप्तभेदाः आलोचनीयाः।

सुश्रुत अनुसरणे शल्यचिकित्सा प्रक्रियाेर सातटि भेद आलोचना करो।

(b) अष्टाङ्गहृदयग्रन्थे दिनचर्याविषये यदुच्यते तद् विशदीक्रियताम्।

'अष्टाङ्गहृदय' ग्रन्थे 'दिनचर्या' विषये या निर्देश करा ह्येच्छे ता विशुत आकारे आलोचना करो।

(c) चरकसंहितामनुसृत्य आयुर्वेदशास्त्रस्य अष्ट-स्थानानि व्याख्यायन्ताम्।

चरकसंहिता अनुसारे आयुर्वेदशास्त्रेर आटटि स्थान व्याख्या करो।

(d) प्राचीनभारतीय-आयुर्वेदशास्त्रविषये संक्षिप्ता टीका विरचनीया।

प्राचीन भारतीय आयुर्वेदशास्त्र विषये संक्षिप्त टीका रचना करो।

Group-B

বিভাগ: খ

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः।

2×5=10

অধোনির্দিষ্ট প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- (a) "अथ योगानुशासनम्" — अत्र 'अनुशासन'-शब्दस्य कोऽर्थः?
"अथ योगानुशासनम्" — এখানে 'অনুশাসন' শব্দের অর্থ কী?
- (b) योगसूत्रस्य प्रवक्ता कः? को नाम योगः?
যোগসূত্রের প্রবক্তা কে? যোগ বলতে কী বোঝায়?
- (c) पातञ्जलयोगसूत्रे कति पादाः सन्ति? के ते?
পাতঞ্জলযোগসূত্রে কতগুলি পাদ রয়েছে? সেগুলির নাম লেখো।
- (d) कथं चित्तवृत्तिनिरोधः सम्भवति?
চিত্তবৃত্তি নিরোধ কীভাবে সম্ভব?
- (e) को नाम स्वाध्यायः?
স্বাধ্যায় বলতে কী বোঝায়?
- (f) 'योगसूत्रानुसारेण पञ्चवृत्तयः काः?
যোগসূত্রানুসারে পঞ্চবৃত্তি কী কী?
- (g) प्राणायामलक्षणं किम्?
প্রাণায়ামের লক্ষণ কী?
- (h) नियमाङ्गानां नामानि लिख्यन्ताम्।
নিয়ম নামক যোগাঙ্গের বিভিন্ন অঙ্গসমূহের নাম লেখো।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

5×2=10

অধোনির্দিষ্ট প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো দুইটির উত্তর দাও :

- (a) "अभ्यास-वैराग्याभ्यां तनिरोधः" — व्याख्यायताम्।
"अभ्यास-वैराग्याभ्यां तनिरोधः" — ব্যাখ্যা করো।
- (b) चित्तभूमिः स्वरूपम् आलोच्यताम्।
চিত্তভূমির স্বরূপ আলোচনা করো।
- (c) नियमाङ्गानां स्वरूपं विशदीक्रियताम्।
নিয়ম নামক যোগাঙ্গের স্বরূপ বর্ণনা করো।
- (d) 'तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः' — अस्मिन् सूत्रे अभ्यासस्वरूपं कथम् उद्घाटितम्?
'तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः' — এই সূত্রে অভ্যাসের স্বরূপ কীভাবে আলোচিত হয়েছে?

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम्।

10×2=20

अधोनिर्दिष्ट प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোনো দুইটির উত্তর দাও :

- (a) पातञ्जलयोगसूत्रानुसारेण कथं योगः अधिगतो भवतीति आलोच्यताम्।
योग कीভাবে আয়ত্ত হয় তা পাতঞ্জল যোগসূত্র অনুসারে বিস্তৃতভাবে আলোচনা করো।
- (b) यमाङ्गानां विषये पातञ्जलयोगसूत्रे यदुक्तं तद् विशदीक्रियताम्।
যম নামক যোগাঙ্গ সম্বন্ধে পাতঞ্জল যোগসূত্রে যা বলা হয়েছে তা সবিস্তারে বর্ণনা করো।
- (c) 'तत् परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्यम्' — अस्मिन् सूत्रे परवैराग्यस्वरूपं कथं व्याख्यातं तद् आलोच्यताम्।
তত্ পরং পুরুষখ্যাতের্গুণবৈতৃষ্যম্ — এই সূত্রে পরবৈরাগ্যের স্বরূপ কীভাবে ব্যাখ্যা করা হয়েছে তা আলোচনা করো।
- (d) योगदर्शनस्य मूलभूतं विषयम् अवलम्ब्य एकः प्रबन्धो विरचनीयः।
যোগদর্শনের মূল বিষয়বস্তু অবলম্বনে একটি প্রবন্ধ রচনা করো।